जयशंकर प्रसाद
(जीवन परिचय)

- जन्म – 30 जनवरी 1889
- जन्म स्थान – काशी (उ० प्र०)
- पिता – देवी प्रसाद
- मृत्यु – सन् 1937 ई०
- प्रमुख रचनाएँ – चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त
  तितली, इन्द्रजाल
- छायावादी युग के लेखक।

जीवन परिचय :–

छायावाद के कवि चतुष्टय में अग्रणी महाकवि जयशंकर प्रसाद का जन्म सन् 1889 ई० में काशी के प्रसिद्ध सूँघनी साहू नामक परिवार में हुआ था।

जयशंकर प्रसाद जी के पिता 'देवी प्रसाद' और पितामह 'शिवरत्न साहू' थे। इनके बड़े भाई का नाम शंभूनाथ था।

इनके पिता माता के मृत्यु के बाद शंभू जी ने ही इनकी पढ़ाई का प्रबंध किया। सर्वप्रथम क्वींस कॉलेज में प्रवेश लिया इनका मन वहाँ नहीं लगा तो

घर पर ही अंग्रेजी और संस्कृत का अध्ययन करने लगे।

प्रसाद जी 17 वर्ष के थे तभी शंभूनाथ जी की मृत्यु हो गई। इन्होंने तीन शादियां की और तीनों ही पत्नियों की असमय में मृत्यु हो गई। थोड़े दिनों बाद उनके छोटे भाई की भी मृत्यु हो गई और यह अंदर ही अंदर टूट गए। इसी दुःख में डूबे हुए क्षय - रोग से ग्रस्त होकर सन् 1937 ई० में पंचतत्व में विलीन हो गए।

कृतियाँ :—

प्रसाद जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी कवि थें। इनकी कृतियाँ निम्नलिखित हैं—

- चन्द्रगुप्त
- स्कंदगुप्त
- अजातशत्रु
- ध्रुवस्वामिनी
- इंद्रजाल
- आकाशदीप
- झरना
- लहर
- आंसू